भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

## आईआईटी भुवनेश्वर की रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क की 100-क्यूब स्टार्ट-अप पहल

- यह पार्क प्रत्येक के औसत मूल्यांकन के साथ **100 स्टार्ट-अप्स** बनाएगा जो 2036 तक ओडिशा की **100वीं वर्षगांठ** के अवसर पर **100 करोड़** रुपए तक होगा।
- इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु, शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदत्त रु 130 करोड़ के सहयोग से अगले दो वर्षों में यह पार्क अपने वर्तमान 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र से लगभग 80,000 वर्ग फुट तक विस्तारित हो जाएगा।
- यह पहल सच्चे अर्थों में इस पार्क को पूर्वी भारत के सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और समावेशी विकास के उद्देश्य से पीएम के पूर्वोदय मिशन का केंद्र बनाएगी।
- श्री धर्मेंद्र प्रधान जी 11 फरवरी को इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन करेंगे।
- पूर्वाह्न 11 बजे स्टार्ट-अप्स तथा संकायों के लिए तकनीकी कार्यशालाओं के उद्घाटन, के पश्चात दोपहर 2 बजे कई उद्योगों, स्टार्ट-अप और उद्यम पूंजीपतियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर भी किया जाएगा।

**भुवनेश्वर, 5 फरवरी 2024 :** आईआईटी भुवनेश्वर का रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क 11 फरवरी, 2024 को अपनी परिवर्तनकारी 100-सीयूबीई स्टार्ट-अप पहल को शुरू करने हेतु पूर्णत: तैयार है। इस दूरदर्शी कार्यक्रम का ध्येय 100 स्टार्ट-अप बनाना है, जिनमें से प्रत्येक का मूल्यांकन 2036 में ओडिशा की 100वीं वर्षगांठ तक 100 करोड़ तक हो जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, पार्क आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन, प्रारंभिक पूंजी और संभावित निवेशकों तक पहुंच प्रदान करेगा। शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदत्त रु 130 करोड़ के सहयोग से अगले दो वर्षों में यह पार्क अपने वर्तमान 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र से लगभग 80,000 वर्ग फुट तक विस्तारित होने के लिए भी तैयार है।

इस उपलक्ष्य पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर ने अपना वक्तव्य में कहा कि इस पहल को ओडिशा में एक समृद्ध एवं सकारात्मक उद्यमशीलता का वातावरण तैयार करने हेतु माननीय केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री प्रधान के उत्साहवर्धक प्रेरणा तथा माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्ट-अप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत संबंधी वैचारिक परिकल्पना के अनुरूप निमित किया गया है। आईआईटी भुवनेश्वर दूसरी पीढ़ी के आईआईटी में से एक है, और खनिज और सामग्री, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु विज्ञान, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर डिवाइस और एकीकृत सर्किट इत्यादि सहित विभिन्न डोमेन में विशेषज्ञता रखता है। बदलते दौर में आईआईटी की भूमिका में प्रतिमान आ रहे बदलाव पर

बात करते हुए, प्रो. करमलकर ने कहा कि शुरुआत में आईआईटी की परिकल्पना अनुसंधान पत्रों के रूप में नए ज्ञान का सृजन करने के साथ-साथ उद्योगों, रक्षा, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले मानव संसाधन तैयार करने वाले संस्थानों के रूप में की गई थी। इसके पश्चात इन संस्थानों को प्रायोजित और परामर्श परियोजनाओं के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए अपनी विशेषज्ञता लागू करने का काम सौंपा गया। हालिया वर्षों में, आईआईटी ने अनुसंधान और उद्यमिता पार्कों की स्थापना के माध्यम से उद्यमियों को बढ़ावा देने और नए स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन का समर्थन करके धन सृजन के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एनईपी 2020 का भी यही उद्देश्य है। जिसके अनुसार वर्ष 2023 से आईआईटी भुवनेश्वर में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत भी की गई है, जिसमें स्कूली शिक्षा के लिए असाधारण शिक्षकों को तैयार करने की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

जैसा कि विदित है, स्वतंत्रता के पश्चात भारत के पहले 25 साल कृषि पर, दूसरे 25 साल बुनियादी ढांचे पर और तीसरे 25 साल सेवा क्षेत्र और सूचना पर केंद्रित रहे है। अस्तु अगले 25 साल निश्चित तौर से स्टार्ट-अप द्वारा संचालित होंगे। भारत ने अपनी वैश्विक नवाचार रैंक को 2014 के 76 से सकारात्मक रूप में बढ़ाकर 2023 में 40 कर दिया है। 100-सीयूबीई स्टार्ट-अप पहल वास्तव में लिंग, क्षेत्र और भूगोल सहित अन्य क्षेत्रों से आगे बढ़कर बाजार की रणनीति के अनुरूप नए स्टार्ट-अप को बढ़ावा देकर अपनी मौजूदा रैंक को और बेहतर बनाने के लिए निश्चित ही मार्ग प्रशस्त करेगा।

11 फरवरी को शुभारंभ कार्यक्रम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के दौरान आईआईटी के रिसर्च पार्कों के संकाय प्रमुखों, उद्योगपतियों और उद्यम पूंजीपतियों द्वारा संकाय और स्टार्ट-अप के लिए समानांतर तकनीकी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 100-सीयूबीई उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रणनीतिक सहयोग बनाने के लिए दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के दौरान लगभग 20 उद्योगों, 30 स्टार्टअप और 30 उद्यम पूंजीपतियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, माननीय मंत्री महोदय आधिकारिक तौर पर अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज करेंगे और 1500 सीटों वाले आईआईटी सभागार का उद्घाटन कर रुपये 450 करोड़ की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की ई-नींव रखेंगे।

संक्षेप में कहा जाए तो, वास्तव में यह 100-क्यूब स्टार्ट-अप पहल ओडिशा को उद्यमिता के केंद्र के रूप में स्थापित करने तथा देश में स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में आईआईटी भुवनेश्वर की महनीय यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

---